अखिल भारतीय गांधर्व महाविद्यालय मंडल, मुंबई.

परीक्षा सत्र : नवम्बर-दिसम्बर 2023

परीक्षा का नाम : विशारद प्रथम (प्रथम प्रश्नपत्र)

विषय : कथ्थक

दि. 19/11/2023 समय : 3 घंटे (सुबह 9 से 12) कुल अंक : 75

सूचना : 1) प्रथम प्रश्न अनिवार्य है । 2) बाकी प्रश्नों में से कोई चार प्रश्न हल करें । 3) कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखे । 4) सभी प्रश्नों के गुण समान है ।

प्र.1. लिपिबद्ध करें। (कोई तीन) (5x3=15)

अ) तीनताल में फरमाईशी परण।

ब) झपताल में चक्रदार तोडा।

क) धमार में परणजुडी आमद।

ड) तीनताल में तिपल्ली।

इ) धमार में तिहाई।

प्र.2. टिपण्णी लिखिए। (3x5=15)

अ) धीरोध्दत नायक।

ब) नरसिंह अवतार।

क) विप्रलब्धा नायिका।

ड) अंग भेद।

इ) ग्रह भेद।

प्र.3. नाट्य की उत्पत्ती (भरतानुसार) नाट्य का प्रयोग तथा नाट्य का प्रयोजन स्पष्ट कीजिए। (15)

प्र.4. कथकली तथा मणिपूरी नृत्य की संपूर्ण जानकारी ($2x7\frac{1}{2}=15$) और वेषभूषा, साथसंगत करनेवाले वाद्यों की जानकारी स्पष्ट कीजिए?

प्र.5. नवरसों की जानकारी देते हुए उनके स्थायी भाव लिखे और (15) रौद्र रस, विभत्स्य रस, अद्भुत रस की जानकारी दिजिए?

प्र.6. अ) रिक्त स्थानों की पूर्ती कीजिए। (10)

1. गाय की पूँछ की तरह आरंभ में बारीक और अंत में चौडा होता है उसे – -------- कहलाती है।
2. संपूर्ण संगीत शास्त्र में मूलभूत, महत्त्वपूर्ण घटक ---------- और ---------- है।
3. अभिनय दर्पण इस ग्रंथ के रचिता ---------- है।
4. विष्णू के दस अवतारों मे से सबसे पहला अवतार ---------- है।
5. अंग ---------- प्रकार के माने जाते है।
6. मन में स्थित भाव होते है उसे ---------- कहा जाता है।
7. शोक का भाव तन मन को चपेट में ले लेता है तो ---------- रस उत्पन्न होता है।
8. श्रीराम, युधिष्ठिर आदि महापुरुष -------- नायक के उदाहरण है।
9. परिस्थिती के अनुसार नायिका के ---------- भेद माने गए है।

ब) जोडीयाँ जमाइए। (5)

अ) भरतमुनी	1) गिनती का साधन
ब) रुपकताल	2) विविध ध्वनी
क) मात्रा	3) ताल
ड) परमेलू	4) नाट्यशास्त्र
इ) श्री गणेश	5) मिश्र जाति

प्र.7. टिपण्णी लिखे। (कोई 2) $(2x7\frac{1}{2}=15)$

1. शिष्य के गुण तथा गुरु के प्रति उसका कर्तव्य।
2. गुरु शिष्य परंपरा का महत्त्व।
3. भरतनाट्यम् नृत्य की जानकारी।